

प्रेषक,

अतर सिंह,

उप सचिव,

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी

देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक : 02 सितम्बर अमृत, 2005

विषय: टी0एस0पी0 के अन्तर्गत जनपद देहरादून में परिवार कल्याण उपकेन्द्र के भवनों के निर्माण कार्य की स्वीकृति ।

महोदय,

उपपुनर् विपयक महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पत्र सं0-7म /1 / निर्माण / टी0एस0पी0 /14 /2005/15798 दिनांक 23.07.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 में टी0एस0पी0 के अन्तर्गत जनपद देहरादून में परिवार कल्याण उपकेन्द्र के भवनों के निर्माण कार्य हेतु संलग्नानुसार कुल रु0 31,32,000-00 (रु0 इकतीस लाख बत्तीस हजार मात्र) की लागत पर प्रशासनिक / वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में इतनी ही धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

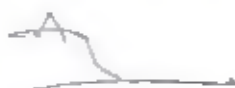
1- एकमुस्त प्राविधानों को कार्य से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त की जायेगी ;

2- कार्य कराते समय लां0 नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये । कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा ।

3- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्परन्तत निर्माण इकाई परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पैगजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम को उपलब्ध करायी जायेगी स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा ।

5- आगणन में उल्लेखित दरों कर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों में जो दरें सिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हों, की स्वीकृत नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा



- 6- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार स  
प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करना होगा, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रा  
न किया जाय ।
- 7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वा  
मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।
- 8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानु  
मक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।
- 9- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते  
लांक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरो / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पा  
करते समय पालन करना सुनिश्चित करें ।
- 10- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता  
साथ अवश्य करा लें । निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्प  
के अनुरूप कार्य किया जाये ।
- 11- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय वि  
जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय । निर्माण सामग्री को प्र  
ने स्थान से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वा  
सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।
- 12- स्वीकृत धनराशि को वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की  
तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी । यह भी स्पष्ट कि  
जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है ।
- 13- निर्माण के समय यदि किसी कारण वश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में बदल  
आता है तो इस दशा में शासन को पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी ।
- 14- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग को गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग  
गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।
- 15- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ता  
लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े ।
- 16- उक्त व्यय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या -31 के लेखाशीर्ष  
4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय-आयोजनागत, 02- ग्रामीण स्वास्  
सेवाये-प्राथमिक चिकित्सा पद्धति, 796- जनजाति उप क्षेत्र योजना, 91- जिला योजन  
9101- उपकेन्द्रों के भवनों का निर्माण , 24-ग्रहण निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा त  
संलग्न पुनर्विनियोजन प्रपत्र सं०एम० -15 के अनुसार कॉलम 1 की बचतों से रु० 3.8  
लाख बहन किया जायेगा ।



17- यह आदेश वित्त विभाग के असाओ सं०-604 /वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 29.08.2005 से प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

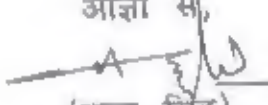
संलग्नक यथोक्त

भवदीय,  
(अतर सिंह)  
उप सचिव

ए०सं०-218(1)/XXV111- S- 2005-21/2005 तद्दिनांक

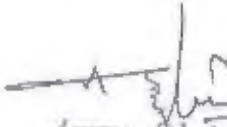
प्रतिलिपि निम्नलिखित का सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- ✓ 3- गरिब गणनाधिकारी, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तरांचल, देहरादून ।
- 6- परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम ।
- 7- निजी सचिव सा० मुख्य मुख्यमंत्री ।
- 8- वित्त अनुभाग-2/ नियोजन विभाग / एन आई सी ।
- 9- गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,  
  
(अतर सिंह)  
उप सचिव

क्र० सं०	उपकेन्द्र का नाम	जनपद का नाम	निर्माण इकाई	आगजन की लागत	वर्ष 200 में स्वीकृ धनराशि
1	2	3	4	5	
1	फारवा	देहरादून	पंचजल निगम	5.70	5.70
2	चन्देऊ	देहरादून	पंचजल निगम	6.34	6.34
3	सुजऊ	देहरादून	पंचजल निगम	6.00	6.00
4	कुन्ना	देहरादून	पंचजल निगम	7.45	7.45
5	कवाँसी	देहरादून	पंचजल निगम	5.83	5.83
	योग			31.32	31.32

(रु० ईकतीस लाख बत्तीस हजार मात्र)

  
(अतर सिंह)  
उप सचिव



नियंत्रण अधिकारी - जन्म-मृत्यु, विधिवत रजिस्ट्रार - प्रा.गं. 158

कृपया, उक्त रजिस्ट्रार, देहरादून।

पुनर्विनिर्माण प्रपत्र

बजट निर्माण कार्य लेखाधीन का विवरण (निम्न में से)	अनुक मन्त्रालय आयोजना कक्ष	निर्माण कार्य को हेतु अवधि = प्रपत्र	अवधि (संख्या) प्रपत्र	सेवा कीमत निर्देश सम्बन्धित विवरण (निम्न में से)	पुनर्विनिर्माण के लिए कुल चर्चा	पुनर्विनिर्माण के लिए कुल चर्चा	अनुमानित अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
4210-निर्माण तथा लक्ष्य सम्बन्धित पुनर्विनिर्माण- आयोजना				4210-निर्माण तथा लक्ष्य सम्बन्धित पुनर्विनिर्माण- आयोजना			100 एल.ए.ए.के. के लिए निर्माण कार्य के लिए आवश्यकता है अधिक बजट प्रदान करने के लिए बजट है।
02-पानीय आपूर्ति - पावताल विनिर्माण				02-पानीय आपूर्ति - पावताल विनिर्माण			
780-समावेशी उप क्षेत्र या क्षेत्र				780-समावेशी उप क्षेत्र या क्षेत्र			
91-विशेष योजना				91-विशेष योजना			
9103-100 एल.ए.ए.के. मार्ग का निर्माण				9103-100 एल.ए.ए.के. मार्ग का निर्माण			
28-दृढ़ निर्माण कार्य 5220		4000	1220	28-दृढ़ निर्माण कार्य 382		3132	4838
योग 5220		4000	1220	382		3132	4838

नोट- प्रमाणित किया जाना है कि पुनर्विनिर्माण से बजट अनुकूल के करीब 150, 151, 153, 156 में वित्तियत निर्माणों का उत्पन्न नहीं होता है।

अ.सिंह  
(अ.सिंह)  
उप सचिव

उत्तरांचल शासन  
वित्त अनुभाग-2

संख्या 10-604 (A) / वि०अनु०-2/05  
देहरादून : दिनांक 29.08.2005

### पुनर्विनियोजन स्वीकृति

सेवा में,

महालेखाकार,  
उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी)  
माजरा सहरानपुर रोड, देहरादून।

भर्जुन सिंह

अपर सचिव  
वित्त विभाग

संख्या : 218 / XXXVIII -3- 2005-21/2005 तद्विनीतक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थ, उत्तरांचल।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 3- वित्त संस्थान विभाग
- 4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(अतर सिंह)

उप सचिव,